KENDRIYAVIDYALA SANGATHAN,CHENNAI REGION

CLASS XII-REVISION EXAMINATION-2012-2013

AÇMü rÉÉåeÉlÉÉ

प्रश्न संख्या	उत्तर संकेत ... मूल्य विंदु मात्र	निर्धारित अंक व अंक विभाजन
1	**अपठित काव्यांश** क संसर सदा कमज़ठेर को सताता है हर प्रकार की पीड़ा भोगना पड़ता है । ख पानी अनाज आवास सुरक्षा ग बाहर की दुनिया में संघर्ष है । भोजन आवास पानी के लिए भटकना है । सुरक्षा का खतरा है । घ मुक्ति ङ स्वाधीनता का महत्त्व	**1×5=5**
2	अपठित गद्यांश क संवेदना भावना विचारों का माध्यम ख अभिव्यक्ति ग ज्ञान एवं भावराशि का संचित कोष घ एकानुभूति और विचार साम्यता के लिए ङ संपर्क भाषा के विकास से च प्रवाहमयता छ ईय इक ज प्राचीन अक्षम झ पानी जल ज सही शीर्षक के लिए अंक	**क से ङ तक 2 अंक** **छ से ज तक 1अंक** **2×5= 10** **1×5= 5**
3	निबंध लेखन भूमिका एवं समापन विषय वस्तु निरूपण शुद्ध भाषा एवं प्रभावी प्रस्तुति	**1+3+1**
4	पत्र लेखन प्रारंभिक एवं समापन की औपचारिकताए विषयानुरूप लेखन शुद्ध भाषा एवं प्रभावी प्रस्तुति	**1+2+2**
5	अ आलेख किन्हीं चार संगत बिन्दुओं का निरूपण शुद्ध भाषा एवं प्रभावी प्रस्तुति आ संक्षेप में उत्तर सही उत्तरके लिए अंक दिए जाए	**4+1** **1×5**
6	फीचर लेखन प्रारंभ समापन विषय प्रस्तुति रोचक अभिव्यक्ति	**1+1+2+1**
7	काव्यांश पर प्रश्नः विकल्प सहित क पुत्र वित्त नारी भवन व परिवार ख पंख के बिना पक्षी मनि के बिना साप सूंड के बिना हाथी ग परम अनुरागी आम आदमी सा व्यवहार व्याकुल होना सहोदर के प्रति अपार प्रेम –वात्सल्य घ] लोक लज्जा ...लोगों के उलाहने का भय , अथवा क]दक्षिण थ्रुवी ... घनत्व का वोथ ख प्रिय के विना एकाकी जीवन को ग उजाला मार्गदर्शक होता है ... प्रिय के स्नेह की आभा कवि् की मार्गदर्शिका होने के साथ उसे प्रोत्साहित भी करती है घ संबोध्य को पूरी तरह से भूलने की चेष्टा ... इस बात को स्पष्ट करने के लिए कवि ने प्रिय को भूल जाने की तद्जनित प्रभाव को आत्मसात करने हेतु अंध्कार में खो जाना चाहता है तािकि प्रियके स्नेह का उजाला उसे छू न सके।	**2+2+2+2**
8	काव्यांश पर सौंदर्यबोध संबंधी प्रश्नः विकल्प सहित क क्रांति से शोषक वर्ग कपता है किसान–मजदूर वर्ग जो पीड़ा भोगी है कुछ परिवर्तन की आकांक्षा में प्रसन्न है । ख अशनि पात से शापित –बिजली गिरने से भयभीत कांति से डरे हुए शत–विचत हत अचल शरीर – कांति से घायल बिखरे हुए शोषकों के लिए ग हिल–हिल खिल–खिल हाथ हिलाकर अथवा क नीला शंख राख से लीपा चौका काली सिल स्लेत पर लाल खड़िया मलना नीला जल ख अतिरिक्त एवं विशेष जानकारी जो मूल कथ्य के भाव में विशेषता लाता है ग नए उपमानों का प्रयोग ग्रामीण परिवेश का विंब	**2×3**

9	काव्य पर दो प्रश्नों के उत्तर ः क] आलोक धन्वा ...पतंग पतंग उड़ाते जबऊँचाई से बचचे कूदते तो उनके पदचापों से मनोरम संगीत पैदा होता है जो मृदंग की ध्वनि की तरह लगता है उनका शेर भी चारों ओर गूँजता है । ख प्रथम और ... कवि स्वयं को आम जनता से अलग करता है दूसरा और ... संसार की विशिष्टता को बताया है तीसरा और ... संसार और कवि के संबंध दर्शाने ग रचनाओं का प्रभाव कभी समाप्त नहीं होता जितना प्रयोग में आता उतना ही संदर्भानुकूल बनता चिरकाल तक प्रभावी	**3+3**
10	गद्यांश पर आधारित प्रश्न ः क व्यक्तिगत रूचि व योग्यता की अवहेलना लादे गए कर्म करने को मजबूर पूर्व लेख पर मूढ विश्वास ख जन्म के आधार पर कर्म योजना भाग्यवश इस जाति में जन्म लेना का यह नतीजा ग अरूचिवश योग्यता विहीन हो सिर पर लादे गए कर्म को विवशतावश करना घ अस्वाभाविक नियमों से वह निष्क्रिय हो जाता है आत्म शक्ति दब जाती है हीन भावना का शिकार हो जाता है स्वाभाविक प्रेरणारूचि दब जाती है । अथवा क आकर्षक सजावट मनमोहक एवं खरीदने को बाध्य करने का गुण ख खरीददारी हेतु खूब पैसा होना किंतु मन में निर्दिष्ट लक्ष्य का न होना ग जिनकी जेब भरी हो पर मन खाली हो खाली जेब व अधूरे भरे मन पर घ हीन भावना से ग्रस्त हो जाता फिजूल खर्च पर ग्लानि महसूस करता ।	**2+2+2+2**
11	गद्य पाठों पर आधारित प्रश्न ः कोई चार क जन मानस गंगा नदी की पवित्रता का एहसास दिलाने यह बारहमासी नदी है जिसका उद्गम स्थान हिमालय है प्रमुख बड़े नगर इसके तट पर बसे हैं सुनिर्मित समाज का विकास धार्मिक –सांस्कृतिक केंद्र पवित्र तीर्थों का स्थलों का होना संस्कृतियों के आदान –प्रदान का स्थल ख गांव वालों को प्रेरणा संजीवनी शक्ति का रूप पीड़ित लोगों के स्नायुओं में शक्ति संचार आदि मृत्यु पर पीड़ा अनुभव नहीं होती मृत्यु से लड़ने की प्रेरणा ग जीवन कष्टों में बीता पिता का अलगाव घोर गरीबी परित्यक्ता एवं पागलपन के शिकार माँ का संघर्ष पूंजीपतियों एवं सामंतों से अपमान ... इन कारणों से घुमंतू बनन बड़े लोगों की सच्चाई नज़दीक से देखी तथा उसे अपने फिलमों में उनकी गरिमामयी दशा दिखाकर उन्हें हँसी का पात्र बनाया । आम जनता के प्रशंसा का पात्र बन गया । घ शिरीष ऋतु जनित घोर कष्टों को झेलता है आटमबल उसे जीवित रखता है । आज मनुष्य में आत्मबल का अभाव है अवधूत सांसारिक मोहमाया से ऊपर उठा हुआ व्यक्ति है मानव अपने मूल्यों को त्यागकर हिंसा असत्य निर्ममता आदि आसुरी प्रवृत्तियों को अपना रहा है अतः आज चारों ओर तनाव और अशांति का माहौल है ऐसी स्थिति से मानव व समाज को उभारने के लिए प्रबल आत्मबल से युक्त महात्मा गांधी जैसे मार्गदर्शी वयक्तित्त्व नहीं है ङ भावुक कायदे की पक्की व्यावहारिक ... स्पष्टीकरण अपेक्षित	**3×4=12**
12	पूरक पुस्तक पर आधारित प्रश्न ः क पाठ में प्रयोग अनेक बार हुआ है वर्तमान पीढ़ी में उनको कई कमियाँ दिखती है यह अभिव्यक्ति उसी को दर्शाती है यशोधर जी का व्यक्तित्त्व उदार नहीं है समझौता करने का गुण नहीं है सहजता का अभाव इसका प्रयोग स्थल ... अपेक्षित उत्तर में कम से काम दो या तीन ख यहूदियों की यातना स्त्रीयों की स्वतंत्रता ऊंच लोगों की प्रवृत्ति अज्ञातवास की पीड़ा	**3+2**
13	पूरक पुस्तक पर आधारित मूल्यपरक प्रश्न ः सही उत्तरके लि अंक दिए जाए	**1+2+2**
14	पूरक पुस्तक पर आधारित निबंधात्मक प्रश्न ः विकल्प सहित सिंधु सभ्यता में नदी कुएं स्नानागार – महाकुंड बेजोड़ निकासी व्यवस्था नदी किनारे पर बसी कुंओं का बहुतायत प्रयोग वन्य प्राणी जो जलवाले क्षेत्र के निवासी में अंकित होना बिंदुओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित है अथवा ऐन की डायरी से... तत्कालीन समाज ,जीवन तथा परिवेस का पइरिचय मिलता है ,यहूदियों की यंत्रणा युद्ध जनित पीड़ा गोलाबारी का आतंक गरीबी बीमारी अज्ञातवास की पीड़ा नाज़ियों का अमानवीय व्यवहार साथ में व्यक्तिगत जीवन का झलक प्रकृति निहारने के लिए बेचैनी बिंदुओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित है	**5**